

03/02/25

आज पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपर  
उभय पक्षकारान की बहस सुनी गयी। बहस  
पर भन्व करने एवं पत्रावली में उपलब्ध  
दस्तावेजात का अध्ययन करने पर पक्षी  
का प्रा. पत्र अन्तर्गत धारा 212 RTA  
स्वार्थ किमा जाता है। पत्रावली के सल  
शुमार होकर नंबर से कम हो एवं सलगत  
मूलवाद रहे।

  
हाया कलक्टर  
अलापर (राजप)